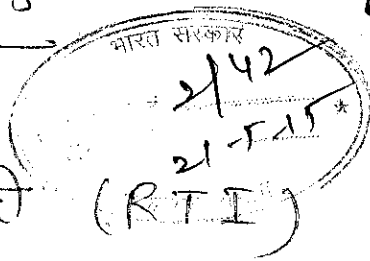


02M/20010/2015

21.05.2015

- 6 -



दिनांक 19/05/15

जनसूचना अधिकारी (RTI)

प्रकाशन विभाग दिल्ली

110054.

02M

10-10/-

25/5

विषय -

जनसूचना अधिकाए अधिनियम के तहत मुझे "शही कागज" निवेदा व अनुबंध के संदर्भ में जानकारी प्राप्त करने हेतु।

महोदय,

कृपया जनसूचना अधिकाए अधिनियम के तहत मुझे "शही कागज" निवेदा व अनुबंध के संदर्भ में निम्न जानकारी उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध है।

Sh. Mishra

21/5/15

1] वर्ष 2014 का आमंत्रित "निवेदा फॉर्म" दस्तावेज में अनुबंध की समयावधि क्या थी।

Gen.

2] क्या वर्ष 2014 का आमंत्रित निवेदा के निवेदा फॉर्म में 6000 क्विंटल "A" कैटेगरी "शही कागज" की मात्रा का उल्लेख नियम एवं शर्तों में था।

Gen.

3] निवेदा आमंत्रित किये जाने के पश्चात जिस पार्टी को "A" कैटेगरी शही कागज के लिये अनुबंध दिया गया था। उस पार्टी से किये गये कानूनी खरीदें दस्तावेज में भी "A" कैटेगरी शही कागज की 6000 क्विंटल मात्रा का उल्लेख खरीदें कि किसी शर्तों या नियम में किया गया था।

यदि उल्लेख है तो कृपया खरीदें कि किसे शर्तों या नियम में इसका उल्लेख किया गया है।

यदि उल्टा है तो इपथा बताये कि समयावधि के सम्बन्ध में उस पार्टी के क्या प्रश्न तथा उत्तर थे।

आपके द्वारा अनुबंध कि समयावधि किस आधार पर तथा कि थी।

क्या निवेदा फार्म में अनुबंध की समयावधि स्पष्ट थी।

Q. 9] जिस पार्टी से "A" कैबिनेट "एडी कणज" के लिए कोणी रखीमिट किया है उसमें दर्ज अनुबंध की समयावधि तथा निवेदा फार्म में दर्ज समयावधि दोनों एक ही है।

Q. 10] क्या पार्टी द्वारा "A" कैबिनेट "एडी कणज" तुलाई करण के संदर्भ में कुछ उत्तर/प्रश्न/त्रिकायत दर्ज कि थी।  
यदि उल्टा है तो इपथा वह शिकायत/प्रश्न/उत्तर क्या थे वह बताये।

Q. 11] वर्ष 2014 में प्रकाशन विभाग द्वारा अमंत्रित निवेदा फार्म के नियम शर्तों अन्तर्गत अमंत्रित निवेदा में आई दर (सभी पार्टियों की) कितने दिनों तक वैध थी।

Q. 12] क्या जिस पार्टी को यह अनुबंध आवंटित किया गया था उसके द्वारा निवेदा में दी गई दरों की वैधता समयसीमा कीत जान के पश्चात् उस पार्टी को अनुबंध का ऑफर EMD सह करण जैसे शर्तों का प्रयोग करते हुए किया गया था।

13.] क्या विभाग द्वारा पाठियों से निवेदन में दर्ज अपनी दरों की वैधता का आग लक्षण था उक्त दरों पर कायम रहने के लिये अनुबंध किया गया था। जिन निवेदन के अन्तर्गत स्वयं द्वारा अनुसार दरों की वैधता सीमा निकल चुकी थी। सुपचा करवा दो।

14.] जिस पार्टी को "A" कैटगरी "एडी कागज" का अनुबंध आवंटित किया गया उसके द्वारा अनुबंध रद्दीकरण करने से पहले कुछ डिवायस / एट्रिज दर्ज करवाए गए लिखें। इस संबंध में पार्टी द्वारा कितने पत्र विभाग संबंधित अनुभाग को लिखे।

15.] क्या निवेदन देखावत तथा अनुबंध रद्दीकरण में दोन श्रेणियों की परिभाषा खपट कि गई थी। यदि उलट नहीं है तो सुपचा दोन श्रेणियों की परिभाषा क्या है जिसके आधार पर "एडी कागज" को दो श्रेणी वर्ग में बांटा गया।

16.] क्या पार्टी द्वारा "A" कैटगरी अनुबंध रद्दीकरण करने से पहले अनुबंध की समयावधि एक वर्ष करने के लिये कहा था।

17.] क्या "A" कैटगरी के अनुबंध काट द्वारा संबंधित (एडी कागज)

अधिकारी पर सुनिधा शुक्र / शिवर का अंश प  
पगाया गया था।

क्या कार्यवाही | गाँव हुई।

क्या विभाग द्वारा कोई खर्च भी किया गया था या नहीं?

Ques. 18.] "रही कागज" की "A", "B" तथा "C" कैटेगरी की क्या परिभाषा है

Ques. 19.] वर्ष 2014-2015 से पहले के अनुबंध में कितना "रही कागज" विहीन किया गया तथा कितनी मात्रा को विहीन निवेदा आमंत्रित किए थे।

Ques. 20.] इन पिछले अनुबंधों में "रही कागज" की तुलना चार्जमेट पर कैसे गई थी।

Ques. 21.] 2014-2015 की निवेदा | अनुबंध में चार्जमेट पर तुलना न करने का नियम | इसे खोली प्रस्ताव में क्या है?

— धन्यवाद

भवदीय

19/05/15

(राजकुमार)

5264 भारत गेट

पट्टा गज गड्डि दिल्ली

110055

नोट-8 परा के साथ 10 रुपये का पोस्टल ऑर्डर नं० 21 F. 271973 संलग्न है।

PH. 9312405735

PH. 271973



RTI Matter  
स्पीड पोस्ट द्वारा

भारत सरकार

प्रकाशन विभाग

शहरी विकास मंत्रालय

सिविल लाइन्स, दिल्ली-54

Website: [www.deptpub.gov.in](http://www.deptpub.gov.in)

Email: [acop-dep@nic.in](mailto:acop-dep@nic.in) (&) [pub.dep@nic.in](mailto:pub.dep@nic.in)

TEL.: 2381 7823 /2381 9689 Fax: 2381 7846.

सं: ओ. एण्ड एम./20010/2015

दिनांक: 19 जून, 2015

सेवा मे,

श्री राजकुमार,

5264, भारत नगर, पहाड़ गंज ,

नई दिल्ली- 110 055

बिषय :- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत मांगी गयी सूचना के संबंध मे।

महोदय,

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत आपका पत्र जो इस बिभाग मे दिनांक 21-05-2015 को प्राप्त हुआ, के संदर्भ में मांगी गयी बिंदुवत सूचना निम्नलिखित है।

**बिन्दु 1.** बर्ष 2014 के आमंत्रित "निविदा फॉर्म" दस्तावेज़ के पृष्ठ सं. 10 पर अनुबंध की समयावधि मार्च 2014 से सितम्बर 2014 तक थी।

**बिन्दु 2.** हाँ।

**बिन्दु 3.** नहीं।

**बिन्दु 4.** एग्रीमेंट मे मात्रा का उल्लेख नहीं था क्योंकि निविदा फॉर्म मे मात्रा का उल्लेख विस्तार से किया गया था, जिसके आधार पर संबन्धित ठेकेदार ने रु. 3,96,000/- की निर्धारित सेक्योरिटी जमा की थी।

**बिन्दु 5.** हाँ।

**बिन्दु 6.** क्योंकि एक ही निविदा फॉर्म दोनों श्रेणी के रद्दी कागज के लिए निबिदा की गयी थी।

**बिन्दु 7.** निविदा नोटिस के क्रम सं. 16 के आधार पर कमेटी की अनुशंसा के मद्देनजर सक्षम अधिकारी (संयुक्त सचिव एवं नियंत्रक प्रकाशन) द्वारा 'A' व 'B' श्रेणी के अलग-अलग पार्टियों को दिया गया। इस संबंध मे बिभाग मे कोई कानूनी परामर्श सेल नहीं है। 'A' व 'B' श्रेणी के रद्दी कागज को अलग-अलग ठेकेदारों को देने का आधार संबन्धित निविदा के बिन्दु 16 मे निहित है।

**बिन्दु 8.** हाँ, पार्टी द्वारा एक वर्ष की समयावधि के लिए अनुरोध किया गया था किन्तु बिभाग द्वारा समयावधि निविदा दस्तावेज़ के अनुबंध में पहले ही तय थी, यह समयावधि सक्षम अधिकारी द्वारा तय की गयी थी।

**बिन्दु 9.** नहीं, क्योंकि देश में आम चुनाव (लोक सभा चुनाव) की आचार संहिता की वजह से निविदा फॉर्म के अनुबंध में जो समयावधि (मार्च 2014 से सितम्बर 2014) थी उसे कानूनी अनुबंध से बढ़ाकर (अगस्त 2014 से फरवरी 2015) कर दी गयी थी।

**बिन्दु 10.** हाँ जो इस प्रकार है -

“ (i.) बिभाग द्वारा जो वजन मुझे तौल के दिया है उसका हमारे द्वारा सरकारी मान्यता प्राप्त धर्मकांटे पर वजन चेक कराने पर 114 Kg कम प्राप्त हुआ है।

इसलिए हम आपको कांटे के वजन को नहीं मानते हैं। आप इसका वजन मान्यता प्राप्त धर्मकांटे पर कराएं।

(ii.) 2105 Kg माल रद्दी उठाने में मुझे पूरा दिन लग गया। इस प्रकार अनुबंध को पूरा कर पाना असंभव है।

(iii.) मेरे द्वारा पहले ही छँटाई पर अतिरिक्त खर्चा वहन किया गया। जोकि हमारे अनुबंध में नहीं था।

(iv.) जिस प्रकार आपके द्वारा तुलाई कि जा रही है उससे भी हमारा खर्चा बढ़ रहा है तथा रद्दी कागज कि मात्रा उचित मात्रा में एक दिन में नहीं उठ पा सकता।

(v.) तुलाई के लिए मैं सम्पूर्ण दिन यहाँ नहीं बैठ सकता क्योंकि मेरे और भी अनुबंध/कार्य हैं। “

**बिन्दु 11.** निविदा दस्तावेज़ के बिन्दु संख्या 5 पर दर की वैधता 60 दिन थी परंतु संबन्धित ठेकेदार तथा प्रकाशन विभाग के बीच दिनांक 18.09.2014 को जो करारनामा हुआ उसमें वही दरें थी।

**बिन्दु 12.** पार्टी को यह कहा गया था कि समय सीमा के अंदर अनुबंध नहीं किया गया तो EMD रद्द कर दी जाएगी।

**बिन्दु 13.** नहीं, विभाग द्वारा इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया गया था, आचार संहिता के मद्देनजर निविदा के तहत आई दरें अनुबंध में दोनों पक्षों के हस्ताक्षर होने तक विस्तारित मान ली गयी थी, इस पर किसी भी संबन्धित पार्टी द्वारा कोई भी ऐतराज नहीं जताया गया था।

**बिन्दु 14.** चार पत्र।

**बिन्दु 15.** हाँ, निविदा फार्म में स्पष्ट थी, दोनों परिभाषा का उल्लेख उत्तर बिन्दु 18 में दिया गया है।

**बिन्दु 16.** हाँ।

**बिन्दु 17.** हाँ, विभाग द्वारा संज्ञान लिया गया जिसे मनगढ़ंत/झूठा/आधारहीन व सत्यता से परे पाया गया।

**बिन्दु 18.** श्रेणी 'ए' & 'बी' तथा 'सी' के परिभाषा इस प्रकार है।

Category "A" denotes Civil Books and Pamphlets including Gatta/covers/board cover of books.

Category "B" denotes all other waste paper including pages of books, wrapping paper, covers which have been separated or Straw Boards, Paste Boards, Pulp Boards Duplex Boards, Office records and other office waste paper etc. .

Category "C" की कोई परिभाषा नहीं है।

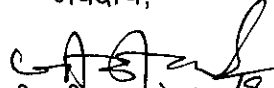
बिन्दु 19. वर्ष 2014-15 से पहले श्रेणी 'ए' के लिए लगभग 800 क्विंटल व श्रेणी 'बी' के लिए लगभग 200 क्विंटल रद्दी कागज़ के लिए निविदा कि गयी थी, तथा 'ए' श्रेणी का 65573 किलोग्राम व 'बी' श्रेणी का 27285 किलोग्राम रद्दी कागज़ बिक्री किया गया था ।

बिन्दु 20. नहीं ।


बिन्दु 21. नहीं ।

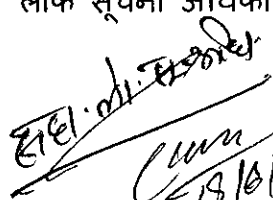
यदि आप उपरोक्त सूचना से सन्तुष्ट नहीं हैं तो प्रथम अपिलिय प्राधिकारी/ नियंत्रक प्रकाशन से निर्धारित समयावधि में अपील कर सकते हैं ।

भवदीय,

  
(जी. डी. पाण्डेय) 13/6/15

केंद्रिय लोक सूचना अधिकारी

  
19.06.2015

  
13/6/15